prevailing position in regard to GATS and the various sectors of education. The Government is saying one thing and doing another thing. This is very bad.

DR. BIPLAB DASGUPTA (West Bengal): Sir, I associate myself with what Shri Eduardo Faleiro has stated.

श्रीमती चन्द्रकला पांडे (पश्चिमी बंगाल) : महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं ।

श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) : महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करती हूं ।

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं माननीय सदस्य से स्वयं को संबद्ध करता हूं ।

Corruption in giving contract for Indian Airlines magazines

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): माननीय सभापति महोदय, इंडियन एयरलाइन्स-एलायन्स एयर को स्वागत के प्रस्तुतकर्ता ट्रांसएशिया इंडिया से अब तक सालाना लाइसेंस शुल्क रायल्टी के रूप में 100 लाख रुपए, 50 लाख रुपए की बैंक गारंटी तथा 60,000 प्रतियां माहवार करार के रूप में मिल रही थीं । 22 वर्षों से चल रहा यह करार 2004 तक के लिए था किंतु इंडियन एयरलाइन्स-एलायन्स एयर के अध्यक्ष ने पायनियर समूह के सीएमवाईके से 10 मई, 2002 को करार किया है जिसके अनुसार अब इंडियन एयरलाइन्स-एलायन्स एयर को मात्र 12 लाख रुपए वार्षिक रायल्टी, 6 लाख रुपए की बैंक गारंटी तथा पत्रिका की 20,000 प्रतियां माहवार मिलेंगी । अध्यक्ष के इस आचरण से इंडियन एयरलाइन्स-एलायन्स एयर को जो भारी घाटा हुआ है, उसके कारण संदेह पैदा होता है । इतना ही नहीं, स्वागत विश्व स्तर की 100 से ज्यादा पृष्ठों की पत्रिका थी, किंतु नई पत्रिका नमस्कार का प्रकाशन ही नहीं हो पा रहा है ।

इन सारी चीज़ों को देखते हुए मेरा प्रधान मंत्री जी से अनुरोध है कि पूरे मामले की जांच केन्द्रीय जांच ब्यूरो से कराएं तथा जांच निष्पक्ष हो, इसके लिए यह ज़रूरी है कि इंडियन एयरलाइन्स-एलायन्स एयर के वर्तमान अध्यक्ष को अन्यत्र स्थानान्तरित किया जाए ।

Molestation of women in Suddan village of district Hazaribagh in Jharkhand

श्री जनेश्वर मिश्र (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, मैं आपका और सदन का ध्यान झारखंड के हज़ारीबाग जिले के सुदान गांव की उस घिनौनी घटना की ओर दिलाना चाहता हूं, जहां पर दो महिलाओं को पहले तो निर्वस्त्र कर उन्हें घुमाया गया और उसके बाद उनके साथ मानवता को दहला देने वाली ऐसी वारदात की गई, जिसकी कल्पना मात्र से मेरे जैसे व्यक्ति के शरीर पर सिहरन दौड़ जाती है ।

1715 GIPMR/2003—8